दैनिक

महाराष्ट्र समाचार

संपादक :अकबर खान

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

वर्ष:14 अंक:35 मुंबई, रविवार,01 नवम्बर -2026 | E-mail:dailymaharashtrasamachar@gmail.com | मूल्य 3.00 रूपया | पृष्ठ - 06 | RNI.No.MAHHIN/2013/53656

संक्षिप्त समाचार

पटना स्नातक चुनाव में दिखा निशांत कुमार का दम!

- जेडीयू में उभरा नया नेतृत्व, पार्टी के लिए साबित हुए 'ट्रम्प कार्ड'

पटना (एजेंसी)। बिहार में आठ सीटों के लिए संपन्न एमएलसी चुनाव के परिणाम चाहे जिसके पक्ष में आए हों, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के पुत्र और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार इस चुनाव के दौरान जिस लिटमस टेस्ट में शामिल हुए, उसमें उन्हें कमोबेश सफलता तो



मिल गई। खास कर पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को जिस तरह से जदयू के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बना डाला वो एक चुनौती तो थी। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव पर जब जनता दल यू की गुटबाजी की छाया पड़ गई तो प्रथम दृष्टि में लगा कि ये सीट कहीं गुटबाजी की भेंट न चढ़ जाए। ठीक ऐसे समय में निशांत कुमार ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की जिम्मेवारी ली। पिता नीतिश कुमार का आशीर्वाद लिया और पहली चुनावी यात्रा नालंदा, नवादा से शुरू की थी। साथ में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को लेकर जन संपर्क स्थापित किया।

यूपी में भाजपा ने क्या किया, ये घर-घर पहुंचकर बताएंगे

- विनोद तावड़े बोले-हैट्रिक जरूरी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हुआ रोडमैप

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा विधानसभा चुनाव से पहले घर-घर पहुंचेगी। 2017 के बाद यूपी कैसे बदल गई। अपराध कैसे कम हुए, डेवलपमेंट कितना हुआ, ये लोगों को बताया जाएगा। इंस्टाग्राम पर भी भाजपा कार्यकर्ता क्षेत्र में हुए कामों के वीडियो बनाकर पोस्ट करेंगे। ये फैसला प्रदेश पदाधिकारियों के



साथ प्रांतीय कार्यालय में हुआ। उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा- गृहमंत्री अमित शाह ने जो रास्ता दिखाया है, सभी कार्यकर्ताओं को उस दिशा में पूरी शिद्दत से काम करना है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने कहा- लखनऊ में आयोजित कार्यसमिति की बैठक में देश के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को मिला। गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी अंगद का पांव बन चुकी है।

राहुल गांधी के दौरे से पहले 'पंजाब' के चुनाव पर मंथन

- दिल्ली में कांग्रेस की हाई-लेवल मीटिंग, दिग्गज नेता जुटे!



नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सत्ता के गलियारों में सियासी गर्मी बढ़ती जा रही है। जहां एक तरफ बीजेपी और कांग्रेस पंजाब में सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साध रही है, वहीं सूबे के सीएम भगवंत मान जोरदार पलटवार करते नजर आ रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दौरे से पहले हाई लेवल मीटिंग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मीटिंग की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि पंजाब एक निर्णायक बदलाव और एक नई, परिवर्तनकारी शुरुआत के लिए तरस रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे लिखा कि आम आदमी पार्टी ने लोगों के भरोसे को तोड़ा है।

पंजाब की प्रगति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी कांग्रेस

उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस पार्टी पंजाब के मान-सम्मान और गौरव को बहाल करने, इसके भविष्य को सुरक्षित करने, और राज्य में शांति, समृद्धि व प्रगति का एक नया दौर लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। बैठक में कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परगट सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत प्रदेश इकाई के कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

इजराइल के आम चुनाव की होगी जांच

खुफिया एजेंसी मोसाद को मिला जांच का जिम्मा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में

- विदेशी दखल का है आरोप नतीजों पर असर नहीं



आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इजराइल के केंद्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है। इजराइल में नेतन्याहू विरोधी दल सरकार बनाने का रास्ता निकालने के लिए प्रधानमंत्री का सीधा चुनाव कराने के प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत जनता अलग से प्रधानमंत्री चुनेगी और इससे अरब पार्टियों के समर्थन के बिना अल्पमत सरकार बनाने का रास्ता खुल सकता है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हिब्रू मीडिया ने बताया कि विपक्षी गठबंधन इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए कानून लाने पर विचार कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर में उमर के खिलाफ 24 विधायक लामबंद

- 4 दिन पहले बने चार मंत्रियों, सीएम के सलाहकार को हटाने की मांग



श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। 18 विधायकों ने शुक्रवार को श्रीनगर में लोलाब विधायक कैसर जमशेद लोन के घर बैठक की, जबकि 6 विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

यूपी में बुलेट ट्रेन चलेगी 3.30 घंटे में दिल्ली पहुंचेगी

काशी में रेलमंत्री का ऐलान, पीएम ने दी कॉरिडोर को मंजूरी

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी में बुलेट ट्रेन का प्रोजेक्ट भी जल्द शुरू होगा। दिल्ली-वाराणसी-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मंजूरी मिल गई है। यह बात रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी में बताई। रेलमंत्री ने बताया कि पीएम मोदी ने इसके नॉर्दर्न कॉरिडोर को मंजूरी दी है। यह ट्रेन दिल्ली से चलकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। इसके बाद पटना होते हुए गुवाहाटी तक



जाएगी। कॉरिडोर के बनने के बाद दिल्ली से आगरा का सफर 59 मिनट, कानपुर का 1 घंटे 45 मिनट और लखनऊ का 2 घंटे 12 मिनट में पूरा होगा।

फर्स्ट एसी में शॉवर, विमान जैसी सुविधाओं का अनुभव

ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच में यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं दी गई हैं। यहां बर्थ और केबिन का इंटीरियर ज्यादा लग्जरी रखा गया है। फर्स्ट एसी के बाथरूम में शॉवर की सुविधा भी मिलेगी। सभी कोच में इंडियन और वेस्टर्न स्टाइल के बायो टॉयलेट लगाए गए हैं। यात्रियों को सफर के दौरान साफ-सफाई और आराम का बेहतर अनुभव देने की कोशिश की गई है। इस ट्रेन की सबसे खास व्यवस्था यह है कि इसमें पारंपरिक ट्रेनों की तरह एसी और वेटिंग टिकट की सुविधा नहीं होगी। केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्री ही सफर कर सकेंगे। इससे कोच में निर्धारित क्षमता से अधिक भीड़ नहीं होगी। यात्रियों को अपनी बर्थ पर आराम से सोने और सामान रखने की सुविधा मिलेगी।

काशी को दो नई मेमू ट्रेनों की भी सौगात

वंदे भारत स्लीपर के साथ वाराणसी क्षेत्र को दो नई रेल सेवाओं की भी सौगात मिलेगी। वाराणसी सिटी से राजातालाब के बीच चार जोड़ी मेमू ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन ट्रेनों में 12 कोच होंगे। रास्ते में वाराणसी जंक्शन, बनारस, भुलनपुर और हरदत्तपुर स्टेशन पर ठहराव होगा। इससे दैनिक यात्रियों, छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा बनारस से प्रयागराज रामबाग के बीच मेमू सेवा को आगे बढ़ाने की योजना है। इससे दोनों धार्मिक और शैक्षिक शहरों के बीच आवागमन आसान होगा। इन नई सेवाओं से काशी की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ स्थानीय यात्रियों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध

- विपक्षी नेता बोले-देश की जमीन भारत को नहीं देंगे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध हो रहा है। विपक्षी नेता नाहिद इस्लाम ने शुक्रवार को ढाका में एक रैली के दौरान आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार बांग्लादेश में भारत को ट्रांजिट कॉरिडोर देने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की जमीन भारत को नहीं दी जाएगी। ट्रांजिट कॉरिडोर का मतलब एक देश की जमीन और सड़क का इस्तेमाल



करके दूसरे देश के किसी हिस्से तक सामान पहुंचाना है। इससे दूरी और सामान पहुंचाने में लगने वाला समय कम हो सकता है। नाहिद ने गंगा जल समझौते को लेकर भी सरकार से सख्त रुख अपनाने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर समझौते को नए सिरे से करते समय बांग्लादेश के हितों का ध्यान नहीं रखा गया, तो लोग इसके विरोध में सड़कों पर उतरेंगे।

नाहिद इस्लाम की रैली में भारत विरोधी नारे भी लगे

नेशनल सिटिजन पार्टी के नेता नाहिद इस्लाम की अगुआई में तारिक रहमान सरकार के खिलाफ ढाका में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन भी हुआ। प्रदर्शनकारी बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और पेट्रोल-डीजल व गैस की कमी से नाराज थे। उन्होंने गृह मंत्री और ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने भारत विरोधी नारे भी लगाए।

होर्मुज में हमले का नया तरीका, जहाज पर चिपकाया बम

धमाके से इंजन रूम जला, 27 भारतीय मौजूद थे, सभी सुरक्षित

ओमान (एजेंसी)। होर्मुज में गुरुवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर के पास एक छोटी नाव पहुंची थी। नाव से आए लोगों ने जहाज के बाहरी हिस्से (हुल) पर दो लिम्पेट माइंस चिपका दीं और वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोनों विस्फोटकों में धमाका हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। इसकी वजह से जहाज का इंजन कुछ समय के लिए बंद हो गया। हालांकि, क्रू ने आग पर काबू पा लिया और जहाज को सुरक्षित कर लिया। हमले के पीछे किसका हाथ है, इसकी



पुष्टि नहीं हुई है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि जहाज पर सवार सभी 27 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई है।

एक दिन में दो तेल टैंकरों पर हमला

29 अक्टूबर को लाइबेरिया के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी अरजानाह पर भी हमला हुआ था। इस जहाज पर दो भारतीय नागरिक सवार थे। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के मुताबिक, दोनों भारतीय सुरक्षित हैं। इस तरह एक ही दिन में होर्मुज के आसपास दो तेल टैंकरों पर हमले हुए। दोनों जहाजों पर कुल 29 भारतीय नाविक सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को अमेरिका-ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से 30 अक्टूबर तक फारस की खाड़ी, होर्मुज और ओमान की खाड़ी में 122 जहाजों पर हमला हुआ।

95 साल बाद जनगणना में पूछी जाएगी आपकी जाति

- यूपी और पंजाब समेत 5 चुनावी राज्यों में फिलहाल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जनगणना का दूसरा फेज 25 जनवरी 2027 से शुरू होगा, जो 28 फरवरी तक चलेगा। इस बार 40 सवाल पूछे जाएंगे। जनगणना का घरों की गिनती का पहला फेज जून 2026 में पूरा हो चुका है। बड़ी बात ये कि 95 साल बाद यानी 1931 के बाद पहली बार देश में जाति की गिनती हो रही है। 5 राज्यों मणिपुर, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड को छोड़कर पूरे देश में जनगणना होगी। इन राज्यों में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। बर्फबारी वाले क्षेत्रों- लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और



हिमाचल प्रदेश में भी जनगणना नहीं होगी। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक 10 से 24 जनवरी 2027 तक आप खुद पोर्टल पर डेटा भर सकते हैं।

इन राज्यों में जनवरी-फरवरी में जनगणना नहीं

मणिपुर में जातीय हिंसा की वजह से हालात अभी सामान्य नहीं है। इसलिए मणिपुर की जनगणना अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई है। गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, इसलिए स्टाफ चुनाव में लगेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के बर्फ वाले इलाके जैसे लाहौल-स्पीति, किन्नौर के ऊंचे इलाके। यहां बर्फबारी के चलते रास्ते बंद हो जाते हैं। यहां सितंबर-अक्टूबर में हो सकती है। गृह मंत्रालय के तहत रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया। सेंसस एक्ट 1948 की धारा 3 के तहत आदेश जारी हुआ है।

आशुतोष दीक्षित ने संभाला 'वायु सेना प्रमुख' का कार्यभार

तीन प्रमुख सैन्य ऑपरेशनों में दिखा चुके हैं अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर 2026 को 29वें वायु सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का स्थान लिया है, जो देश की 42 वर्षों की शानदार सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। आशुतोष दीक्षित का पिछले 40 वर्षों में दमदार करियर रहा है। तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में दमदार भूमिका निभाने के साथ आशुतोष दीक्षित को अलग-अलग तरह के विमानों को उड़ाने का 3300 घंटे से अधिक का अनुभव है। वह वायु सेना के अधिकारियों के बीच समन्वय बनाने के लिए जाने जाते हैं।



तीन प्रमुख सैन्य अभियानों में निभा चुके अपनी भूमिका

कारगिल युद्ध के दौरान वायुसेना के ऑपरेशन सफेद सागर में अहम भूमिका निभा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन रक्षक में अहम भूमिका निभा चुके हैं। पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी।

हरियाणा और आंध्र में दिल दहलाने वाली वारदात

पंचकूला में केजी की बच्ची के सिर पर 12 बार ईंट मारी

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला के एक प्रसिद्ध स्कूल में केजी की छात्रा पर तीसरी कक्षा के छात्र ने बेरहमी से हमला कर दिया। छात्र ने बच्ची का सिर पहले बेंच पर मारा, फिर 19 बार पैर से उसके चेहरे पर लात-घूसों से वार किया। उसके बाल पकड़कर घसीटा। बाद में ईंट से 12 बार बच्ची के सिर पर हमला किया। 96 सेकेंड तक लगातार बच्ची को बेरहमी से पीटे जाने की घटना क्लास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज देखकर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने भी कहा इसे पूरा देखना भी मुश्किल है। उन्होंने मामले की जांच के लिए कमेटी



गठित करने को कहा है। घटना की जानकारी उस वक्त सामने आई जब ऑटो ड्राइवर बच्ची को लेने स्कूल पहुंचा, लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद परिजन तुरंत स्कूल पहुंचे और उसकी तलाश शुरू की।

आंध्र में 10वीं की छात्राओं पर काटने वाली आरी से हमला

अनंतपुर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में शनिवार को स्कूल की क्लास के अंदर 10वीं की छात्रा पर पावर चेनसॉ (बिजली से चलने वाली आरी) से हमला किया गया। यह वारदात सुबह 10 बजे की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में छात्रा का दाया हाथ कट गया और चेहरे, गर्दन और कान पर गंभीर चोटें आईं। उसे बचाने पहुंची दूसरी छात्रा भी घायल हो गई। एक छात्रा की हालत सीरियस है।

संपादकीय

वोट की ताकत पर उठते सवाल, लोकतंत्र की विश्वसनीयता की अग्निपरीक्षा

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी जनता है और जनता की इस ताकत का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम उसका मताधिकार है। एक आम नागरिक के हाथ में मतदान की जो शक्ति होती है, वह किसी बड़े पद, धन या राजनीतिक प्रभाव से कम नहीं होती। इसी अधिकार के माध्यम से वह सरकार चुनता है, सत्ता बदलता है और देश की दिशा तय करता है। लेकिन जब इसी मताधिकार की सुरक्षा करने वाली संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगें, तब यह केवल राजनीतिक विवाद नहीं रह जाता, बल्कि लोकतंत्र की बुनियाद से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है। 31 अक्टूबर 2026 को देश की राजनीति में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की विपक्ष की मांग और मॉक संसद में आयोजित प्रतीकात्मक जन महाभियोग ने इसी सवाल को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया गठबंधन के नेताओं की मौजूदगी में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्ताव पेश करते हुए आरोप लगाया कि देश में मतदाताओं के अधिकारों के साथ खिलवाड़ हो रहा है और चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निष्पक्षता से निभाने में विफल रहा है। खरगे ने कहा कि नागरिकों का वोट देने का अधिकार गंभीर खतरे में है और लोकतंत्र को बचाने के लिए विपक्ष अपनी पूरी ताकत लगाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने की। विपक्ष ने छह प्रमुख आरोपों के आधार पर मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने, एसआईआर प्रक्रिया रोकने और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित वर्ष 2023 के कानून में बदलाव की मांग उठाई। हालांकि यह स्पष्ट रहना चाहिए कि विपक्ष का यह जन महाभियोग प्रतीकात्मक राजनीतिक कार्यक्रम था, संसद में संविधान के तहत चलने वाली कोई औपचारिक महाभियोग प्रक्रिया नहीं।

विपक्ष के आरोपों में सबसे गंभीर मुद्दा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का है। खरगे ने दावा किया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से लगभग 13.2 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए और यह कार्रवाई पारदर्शिता तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं थी। विपक्ष का कहना है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिसमें किसी पात्र नागरिक को अपनी नागरिक पहचान और मतदान के अधिकार को साबित करने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के पंजीकरण से जुड़े प्रपत्रों में बदलाव, चुनावी आंकड़ों के केंद्रीकरण और चुनाव आयुक्तों के बीच निर्णय प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों की अनदेखी की। इन सभी आरोपों की स्वतंत्र और तथ्यात्मक जांच जरूरी है, क्योंकि इतने गंभीर विषयों को केवल राजनीतिक बयानबाजी के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष की इस पूरी कवायद को राजनीतिक नाटक करार दिया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि चुनावी पराजय की आशंका या परिणामों से असहमति के कारण संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाना उचित नहीं है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रधानमंत्री पद से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंग को उठाकर कांग्रेस पर ही लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर सवाल खड़े किए।

मध्यप्रदेश: गौरव से आगे, जनकल्याण की कसौटी तक



हेमेन्द्र क्षीरसागर



एक नवंबर मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण तिथि है। वर्ष 1956 को इसी तिथि में राज्यों के पुनर्गठन के साथ मध्यप्रदेश अस्तित्व में आया। 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ के पृथक होने के बाद इसका वर्तमान स्वरूप बना। स्थापना दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा, उपलब्धियों, स्मरण और शेष चुनौतियों के आकलन का समय भी है।

भारत के मध्यभाग में स्थित मध्यप्रदेश देश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। इसकी सीमाएँ उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान से मिलती हैं। केंद्रीय भौगोलिक स्थिति इसे सड़क, रेल, व्यापार और अंतरराज्यीय संपर्क की दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है। नर्मदा घाटी, विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रेणियाँ तथा चंबल, मालवा, बुंदेलखंड, बघेलखंड और महाकौशल जैसे भौगोलिक-सांस्कृतिक क्षेत्र प्रदेश की विविधता को दर्शाते हैं।

देश के हृदय में मध्यप्रदेश अपनी ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता, वन संपदा और कृषि क्षमता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसे विश्वविख्यात धरोहर स्थल, उज्जैन की धार्मिक परंपरा। नर्मदा, क्षिप्रा, चंबल ताप्ती, सोन, वैनगंगा सहित प्रमुख नदियाँ इसकी पहचान को समृद्ध बनाती हैं। गोंड, बैगा, भील और अन्य जनजातीय समुदायों की संस्कृति भी प्रदेश की अमूल्य विरासत है। इस धरोहर का संरक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के साथ पर्यटन का विकास हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के लिए देश में विशिष्ट स्थान रखता है। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, माधव, वन विहार, संजय, कूनो और अन्य राष्ट्रीय उद्यान प्रदेश की प्राकृतिक संपदा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। चीता व जंगली भैंसा पुनर्स्थापना, बाघ संरक्षण, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास। पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से इनका विशेष महत्व है। ये उद्यान प्रकृति पर्यटन और स्थानीय रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं।

कृषि प्रदेश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। धान, गेहूँ, सोयाबीन, दलहन और तिलहन के उत्पादन के साथ किसानों को उचित मूल्य। भंडारण, प्रसंस्करण और बाजार की बेहतर सुविधाएँ देना आवश्यक है। उद्योग, पर्यटन, लघु उद्यम और सेवा क्षेत्र में निवेश बढ़ाकर रोजगार के स्थायी अवसर तैयार किए जा सकते हैं। इसके लिए युवाओं को रोजगारपरक कौशल और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

विकास की दूसरी बड़ी कसौटी शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षेत्रीय संतुलन है। महानगरों के साथ ग्रामीण एवं जनजातीय अंचलों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ उपचार, पेयजल, सड़क और संचार सुविधाएँ सुनिश्चित होनी चाहिए। बालाघाट जैसे जिलों में कृषि, वनोपज, खनिज और पर्यटन की संभावनाओं का उपयोग स्थानीय आजीविका तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर किया जा सकता है।

योजनाओं की सफलता घोषणाओं या बजट तक सीमित नहीं, बल्कि उनके परिणामों से तय होती है। पारदर्शी प्रशासन, समयबद्ध सेवाएँ, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और नागरिकों की भागीदारी विकास को प्रभावी बनाते हैं। जल संरक्षण, वनों की रक्षा और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग भी आवश्यक है। ताकि आर्थिक प्रगति पर्यावरण की कीमत पर न हो।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमें गौरव के साथ आत्ममंथन का संदेश देता है। प्रदेश की वास्तविक समृद्धि तभी सुनिश्चित होगी?। जब किसान को उपज का उचित मूल्य, युवा को रोजगार, महिलाओं को समान अवसर। प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएँ मिलें। मध्यप्रदेश की प्रगति का सही पैमाना केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना है। यही स्थापना दिवस का सार्थक संकल्प और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद



सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।

किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।

दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है।

सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े।

भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है। लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना जरूरी है। अत्यधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है और कृषि भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को केवल सस्ती खाद के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि व्यवस्था के व्यापक हिस्से के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जैविक खाद, नैनो उर्वरक, प्राकृतिक खेती और मिट्टी परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं के साथ इसका संतुलित समन्वय जरूरी है। निस्संदेह, ग्रीन अमोनिया की दिशा में सरकार का प्रयोग भविष्य की कृषि के लिए उम्मीद जगाता है। लेकिन किसानों को ऐसी योजनाओं के परिणामों के लिए वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए। सरकार को परीक्षण के नतीजे सार्वजनिक करने, उत्पादन लागत का वास्तविक आकलन करने और किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ का स्पष्ट खाका तैयार करना चाहिए। कृषि प्रधान देश में तकनीकी नवाचार की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे। आखिरकार, ग्रीन अमोनिया का उद्देश्य केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि किसान की जेब पर पड़ने वाला बोझ कम करना भी होना चाहिए। सस्ती खाद, स्वस्थ मिट्टी और खुशहाल किसान ही इस नई पहल की वास्तविक सफलता का पैमाना होंगे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा



ललित गर्ग

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा।

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की



सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती-विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है।

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा। आर्थिक विकास का उद्देश्य केवल कुछ कंपनियों को वैश्विक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में स्थिरता, सम्मान और अवसर लाना होना चाहिए। वस्तुतः जियो की उपलब्धि नए भारत की उस आकांक्षा का प्रतीक है, जो तकनीक में आत्मविश्वास, व्यापार में विस्तार और विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व चाहती है। किंतु मंजिल अभी दूर है। सच्ची सफलता वह नहीं, जहां कुछ लोग शिखर पर पहुँच जाएं, सच्ची सफलता वह है, जहाँ शिखर तक पहुँचने के रास्ते सबके लिए खुलें। रिलायंस की यह आर्थिक छलांग तभी इतिहास में स्थायी स्थान बनाएगी, जब इसके साथ रोजगार बढ़ेगा, आय की विषमता घटेगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचेगी। यही विकसित भारत का सार है-समृद्ध उद्योग, सक्षम नागरिक और संवेदनशील समाज।

अनंत अंबानी ने जियो के नाम में छिपे आशीर्वाद के भाव को जिस आत्मीयता से अभिव्यक्त किया, वह भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर संगम है। उन्होंने कहा कि ÷माँ कहती है-जियो मेरे लाल, दादी कहती हैं-जुग-जुग जियो और दोस्त कहते हैं-जियो मेरे यार।÷ इस तरह 'जियो' केवल एक व्यावसायिक नाम नहीं, बल्कि शुभकामना, आशीर्वाद, स्नेह और मंगलकामना का जीवंत संदेश बन जाता है। जब उन्होंने कारोबार को पूजा और शेयरों को प्रसाद की संज्ञा दी, तब उन्होंने आर्थिक उपलब्धि को जनभागीदारी और कृतज्ञता से जोड़ने का अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सचमुच, जब व्यापार में आशीर्वाद का भाव और सफलता में समाज की साझेदारी जुड़ जाए, तब उद्यम केवल समृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास का उत्सव बन जाता है।

दैनिक महाराष्ट्र समचार मलिक मुद्रक प्रकाशांन व संपादक अकबर खान प्लोट ने 302, वी पी वर्डे रोड ए ,आर औटो वोर्क्स बिहाइंड गेटी सिनेमा बांद्रा वैस्ट मुंबई -400050 महाराष्ट्र, मोबाइल नंबर 9152073782. प्राचीता प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड- गला नः13 मकबा बिल्डिंग नियर एस ब्रिज एन एम जोशी मर्ग भैकल्ला वैस्ट मुंबई- 400027. किसी भी सुरत में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

फाइव स्टार होटल के स्विमिंग पूल में करंट से दो विदेशी नागरिकों की मौत

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के हलसूरु स्थित प्रतिष्ठित पांच सितारा कॉनराड होटल में शुक्रवार की शाम बड़ा हादसा हो गया। होटल की तीसरी मंजिल पर बने स्विमिंग पूल में करंट लगने की आशंका के बीच दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। उन्हें बचाने की कोशिश में एक अमेरिकी पर्यटक और होटल का लाइफगार्ड भी घायल हो गए। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय स्विमिंग पूल में मौजूद जर्मनी और स्लोवाकिया के दो नागरिक संदिग्ध परिस्थितियों में करंट की चपेट में आ गए। शुरुआती जांच में बिजली का करंट लगना मौत की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद ही हो सकेगी। हादसे के दौरान दोनों विदेशी नागरिकों को बचाने की कोशिश में 41 वर्षीय अमेरिकी नागरिक मैथ्यू डेसेंटिस और 28 वर्षीय राहुल तिवारी भी घायल हो गए। मैथ्यू होटल में ठहरे हुए अमेरिकी पर्यटक हैं, जबकि राहुल तिवारी कॉनराड होटल में पूल अटेंडेंट और लाइफगार्ड के रूप में काम करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्म-7 की जांच के दिए आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अदालत ने मामले की जांच के आदेश देने के साथ ही शिकायतों की पड़ताल और व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए हैं। दरअसल, निर्वाचन आयोग के समक्ष मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 जमा किए जाने को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। आरोप है कि कुछ मामलों में बड़ी संख्या में फॉर्म जमा किए गए, लेकिन संबंधित मतदाताओं के नाम नहीं हटाए गए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष इस मामले से जुड़ी याचिकाएं रखी गईं। इनमें एक विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए 32 फॉर्म-7 जमा किए जाने का आरोप भी शामिल है। अदालत ने निर्वाचन आयोग से शिकायतों की जांच कर आवश्यक सुधार करने और रिपोर्ट देने को कहा है।

महाराष्ट्र में दो बार कांपी धरती, चार पड़ोसी देशों में भी लगे झटके

- सभी जगहों पर भूकंप की तीव्रता अलग-अलग रही, जानमाल के नुकसान की खबर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में शनिवार को भूकंप के झटके लगे। महाराष्ट्र के पालघर जिले में शनिवार की आधी रात को धरती दो बार कांपी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक पहला भूकंप रात 12 बजकर 54 मिनट पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई। इसके बाद रात 1 बजकर 30 मिनट पर एक बार फिर झटके लगे और इस दूसरे भूकंप की तीव्रता 2.1 मापी गई। दोनों भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र के पालघर में ही था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में आए इन दो भूकंपों के अलावा अफगानिस्तान, चीन के तिब्बत क्षेत्र, म्यांमार और बांग्लादेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए यानी कुछ ही घंटों में एशिया के अलग-अलग हिस्सों में धरती कांपी। हालांकि इन सभी जगहों पर दर्ज भूकंप की तीव्रता अलग-अलग रही। राहत की बात यह है कि महाराष्ट्र समेत अन्य देशों में आए भूकंप में अभी तक जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भारत के अलावा अफगानिस्तान और चीन के तिब्बत क्षेत्र में भी भूकंप दर्ज किए गए। अफगानिस्तान में शनिवार सुबह 3 बजकर 48 मिनट 15 सेकंड पर भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 4.0 मापी गई।

साइबर जागरूकता के लिए सीएसएमटी रेलवे स्टेशन परिसर में ,निकाली गई एकता दौड़

GRP पुलिस अधिकारियों और टैक्सी चालकों ने लिया हिस्सा





मुंबई / अकबर खान

मुंबई,: साइबर अपराधों के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने और डिजिटल सुरक्षा का संदेश देने के उद्देश्य से सीएसएमटी रेलवे पुलिस स्टेशन की ओर से शनिवार सुबह एकता दौड़ (मैराथन) का आयोजन किया गया।

पुलिस आयुक्त, लोहमार्ग मुंबई के निर्देशानुसार आयोजित इस साइबर जागरूकता अभियान के तहत सुबह 7:30 बजे से 8:30 बजे तक सीएसएमटी रेलवे स्टेशन परिसर में बोरा बाजार से महानगरपालिका जंक्शन, मेट्रो जंक्शन होते हुए पुना पुलिस स्टेशन तक एकता दौड़ निकाली गई।

इस दौरान 'डिजिटल एकता, सुरक्षित भविष्य' का संदेश देते हुए लोगों को साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संभाजी कटारे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक शशांक कदम, पुलिस उपनिरीक्षक सोनार, 20 पुलिसकर्मियों तथा 10 से 12 टैक्सी चालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित डिजिटल वातावरण के निर्माण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना था।

कांग्रेस की रैली का विरोध कर रहे व्यापारियों ने की राहुल से अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली के ठीक पहले दिल्ली के व्यापारियों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब आगामी 1 नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस की एक बड़ी रैली का ऐलान हुआ। व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने राहुल गांधी से इस रैली को स्थगित करने की पुरजोर अपील की है। सीटीआई ने अपने संदेश में कहा कि राहुल गांधी अक्सर नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान चलाने की बात करते हैं, लेकिन व्यापारियों की अपनी दुकानें भी ग्राहकों के साथ आपसी विश्वास और प्यार के आधार पर ही चलती हैं। इसलिए त्योहारों के इस पीक सीजन में व्यापारियों की रोजी-रोटी और व्यापार इस रैली की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए। संगठन के चेयरमैन ने कहा कि चांदनी चौक की परांठे वाली दुकान, खारी बावली के मसाले, सदर बाजार की चूड़ी-बिंदी, चांदनी चौक का लहंगा, दरियागंज का एसी, चावड़ी बाजार की सामग्री और करोल बाग की मशहूर कुल्फी जैसी सैकड़ों पुरानी और प्रसिद्ध दुकानें असल में जनता के लिए मोहब्बत की ही दुकानें हैं, जिन पर हर दुकान के माध्यम से दर्जनों परिवारों का गुजारा होता है। व्यापारी संगठनों ने रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले लगभग 20 बड़े थोक बाजारों में विरोध स्वरूप पोस्टर लगाने का ऐलान किया है। संगठन का तर्क है कि धनतेरस से ठीक चार दिन पहले होने वाली इस रैली में भारी भीड़ और हजारों गाड़ियों के आने से पूरी दिल्ली में भयंकर जाम की स्थिति पैदा हो जाएगी। इससे रामलीला मैदान के आसपास के इन प्रमुख बाजारों में ताले लटकने की नौबत आ जाएगी। व्यापारियों ने चिंता जताई है कि यदि इस व्यस्त त्योहारी सीजन में ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई और बाजार बंद हुए, तो इससे लगभग 20 लाख व्यापारियों का हजारों करोड़ रुपये का दिवाली व्यापार पूरी तरह ठप हो जाएगा और लाखों लोगों की रोजी-रोटी पर सीधा संकट खड़ा हो जाएगा।

रामलीला मैदान में होने वाली रैली से पहले रिजिजू ने पूछे कांग्रेस से सवाल

- सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर केंद्रीय मंत्री का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया गठबंधन की ओर से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उससे सवाल पूछे हैं। उन्होंने कांग्रेस को इन सवालों का जवाब देने की चुनौती भी दी है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कांग्रेस को बुनियादी सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने पूछा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को महज 44 सीटें कैसे मिलीं, जबकि उस समय चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति उसकी ही सरकार ने की थी?



उनका दूसरा सवाल था कि 2024 में जब ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं थे, तब कांग्रेस को लगातार तीसरी बार चुनाव में हार का सामना कैसे करना पड़ा? उन्होंने सवाल किया, क्या कांग्रेस के मौजूदा मुख्यमंत्री इस्तीफा देंगे और 2014 से 2026 के बीच सरकारें बनाने के लिए माफी मांगेंगे?

रिजिजू ने अगले सवाल में मतदाता सूची से अवैध प्रवासियों, मृत व्यक्तियों, दूसरी जगह चले गए लोगों और दोहरे नामों को हटाने के मुद्दे पर कांग्रेस का रुख पूछा। अंत में रिजिजू का सवाल था, क्या 1952-56, 1958-61, 1965-66, 1983-84, 1987-88, 1993, 1995 और 2002-2004 के दौरान किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भी अवैध थे? इसी के साथ ही रिजिजू ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, एक परिवार की पार्टी बाहरी ताकतों के साथ मिलकर संविधान और भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर बांद्रा पुलिस थाने समेत देशभर के पुलिस थानों में एकता परेड





मुंबई / अकबर खान

मुंबई,: राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर देशभर के सभी पुलिस थानों में 31 अक्टूबर 2026 को आयोजित एकता परेड 2026 का लाइव प्रसारण एवं प्रदर्शन किया गया।

इस पहल का उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पुलिस बल में राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना को और मजबूत करना है।

इस अवसर पर बांद्रा पुलिस थाने समेत विभिन्न पुलिस थानों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एकता परेड का सीधा प्रसारण देखा। जिस मे बांद्रा के कई समझ सेवक मौजूद थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प दोहराया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित इस पहल के माध्यम से पुलिस बल ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी के लिए दिल्ली की टीम तैयार, विक्की बसोया को सौंपी कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 52वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के बालक वर्ग के लिए दिल्ली कबड्डी एसोसिएशन ने 14 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान स्टार खिलाड़ी विक्की बसोया को सौंपी गई है। दिल्ली की टीम एक से चार नवंबर 2026 तक बिहार के पटना स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

संघ के महासचिव रामबीर सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर की शीर्ष जूनियर टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। दिल्ली की टीम में कप्तान विक्की बसोया के अलावा सनी भाटी, बाबुल कुमार, सौरभ कुमार, मयंक यादव, निशांत, देव चौधरी, मोहित कुमार,



तरुण, पवन कुमार, कार्तिक, राहुल यादव, अर्पित मौर्य और अभिषेक को शामिल किया गया है।

टीम के साथ मुख्य कोच के रूप में सुरेश कुमार और सहायक कोच के रूप में योगेश पटना जाएंगे। महासचिव रामबीर सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के चयन में उनकी फिटनेस और हाल के प्रदर्शन को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिल्ली की टीम प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करेगी।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए टीम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों से मैदान पर अनुशासन, सामूहिक प्रयास और खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने की अपेक्षा जताई गई है।

कुंभ-2027 की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, डीएम ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

हरिद्वार (एजेंसी)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने शनिवार को रुड़की से बहादराबाद और हरिद्वार तक चल रहे निर्माण एवं सड़क मरम्मत कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न निर्माण स्थलों पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरे करने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाए और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को रुड़की के बड़ेड़ी राजपूताना से बहादराबाद टोल प्लाजा तक सड़क मरम्मत और सर्विस लेन निर्माण का कार्य अगले 15 दिनों के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कार्यों के दौरान कोई समस्या सामने आती है तो संबंधित अधिकारी तत्काल उच्चाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर उसका समाधान कराएं, ताकि निर्धारित समय पर काम पूरा हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में कुंभ मेला-2027 की तैयारियां शासन की प्राथमिकता में हैं। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण स्थलों पर पर्याप्त श्रमिकों और आवश्यक मशीनरी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की ओर से शंकराचार्य चौक से डाम कोठी क्षेत्र तक कराए जा रहे सड़क सुधार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को काम में तेजी लाकर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और आम लोगों के साथ श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग विकास त्यागी, सहायक अभियंता भारत भूषण, रुड़की के तहसीलदार विकास अवस्थी, राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी और ठेकेदार मौजूद रहे।



धौरण रोड से सहस्त्रधारा रोड तक एमडीडीए का बड़ा एक्शन, तीन स्थानों पर अवैध निर्माण सील

देहरादून (एजेंसी)। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने शहर में अवैध एवं अनाधिकृत निमार्णों के खिलाफ अपना अभियान तेज करते हुए शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने धौरण रोड स्थित आईटी पार्क क्षेत्र और सहस्त्रधारा रोड पर तीन अलग-अलग स्थानों पर नियमों के विपरीत किए जा रहे निर्माण कार्यों को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्वीकृत मानचित्रों में निर्धारित प्रावधानों से हटकर भवन निर्माण करने और बिना मानचित्र स्वीकृति के व्यावसायिक दुकानों का निर्माण करने के मामले सामने आए। प्राधिकरण ने संबंधित मामलों में नियमानुसार वाद योजित करने और वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद सीलिंग की कार्रवाई की। एमडीडीए की इस कार्रवाई से अवैध निर्माणकताओं में हड़कंप मचा रहा। प्राधिकरण की पहली कार्रवाई धौरण रोड स्थित आईटी पार्क क्षेत्र के दून डिवाइन परिसर में की गई। यहां मैसर्स युग रियल एलएलपी (देवेश वरयानी) द्वारा छह स्वीकृत मानचित्रों के तहत प्रस्तावित निमार्णों को आपस में जोड़कर एक भवन के रूप में विकसित किया जा रहा था। प्राधिकरण के अनुसार,



स्वीकृत मानचित्रों से विचलन करते हुए फ्लैट बनाने के उद्देश्य से निर्माण कार्य किया जा रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण ने उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास) अधिनियम के प्रावधानों के तहत वाद योजित किया और नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए संबंधित निर्माण को सील कर दिया।

वहीं, दूसरी कार्रवाई सहस्त्रधारा रोड स्थित मंदाकिनी विहार में की गई। यहां शुभ्रा राय द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के तीन दुकानों का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण की ओर से संबंधित पक्ष को अपना पक्ष रखने और निर्माण से जुड़े आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने के लिए कई अवसर दिए गए, लेकिन संतोषजनक जवाब और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। इसके बाद प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण को सील कर दिया। इसी क्रम में सहस्त्रधारा रोड पर नॉर्थ साइड सिटी पार्क के निकट साहनी द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के चार दुकानों का निर्माण किया जा रहा था। इस मामले में भी प्राधिकरण ने नियमानुसार वाद योजित कर वैधानिक प्रक्रिया अपनाई और मौके पर पहुंचकर संबंधित निर्माण को सील कर दिया। इस प्रकार सहस्त्रधारा रोड पर ही सात दुकानों के अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई।

एमडीडीए ने स्पष्ट किया कि देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में सुनियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए भवन निर्माण संबंधी नियमों का पालन अनिवार्य है। बिना मानचित्र स्वीकृति के भवन, दुकान अथवा व्यावसायिक परिसर का निर्माण करना और स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण कार्य कराना नियोजन व्यवस्था का उल्लंघन है। प्राधिकरण की ओर से ऐसे मामलों की नियमित निगरानी की जा रही है और शिकायत अथवा जानकारी मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

नियोजित विकास से समझौता नहीं, नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई : बंशीधर तिवारी



एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि देहरादून शहर और आसपास के क्षेत्रों का सुनियोजित विकास सुनिश्चित करना प्राधिकरण की प्राथमिकता है। प्रत्येक निर्माण कार्य निर्धारित भवन उपविधियों और स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप होना चाहिए। बिना मानचित्र स्वीकृति के निर्माण करना अथवा स्वीकृत मानचित्र में मनमाने ढंग से बदलाव करना नियमों का उल्लंघन है। प्राधिकरण ऐसे मामलों पर लगातार निगरानी रख रहा है और अनाधिकृत निर्माण सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने भवन निर्माणकताओं और आमजन से अपील की कि किसी भी भवन, दुकान या व्यावसायिक परिसर का निर्माण शुरू करने से पहले सभी आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करें और स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप ही निर्माण कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर के व्यवस्थित विकास में बाधा बनने वाले अवैध निमार्णों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नियमित निगरानी के बाद होगी वैधानिक कार्रवाई : मोहन सिंह बर्निया

एमडीडीए के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध एवं अनाधिकृत निमार्णों के विरुद्ध नियमित निगरानी के साथ प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। बिना मानचित्र स्वीकृति अथवा स्वीकृत मानचित्र से विचलन के मामलों में नियमानुसार वाद योजित कर संबंधित पक्ष को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सीलिंग सहित आवश्यक कार्रवाई की जाती है। उन्होंने निर्माणकताओं से अपील की कि सभी जरूरी स्वीकृतियां प्राप्त करने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू करें, ताकि भविष्य में कानूनी कार्रवाई और आर्थिक नुकसान से बचा जा सके।

दिल्ली में जूता फैक्ट्री में भीषण आग, दम घुटने से 4 की मौत, 2 गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया में शुक्रवार रात जूते बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। बेसमेंट से शुरू हुई इस आग की चपेट में आने और दम घुटने से कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हैं। दमकल विभाग की करीब 20 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और इसे ऊपरी मंजिलों में फैलने से रोका। दिल्ली अग्निशमन और पुलिस की टीमों ने फैक्ट्री के अंदर फंसे 6 लोगों को बेहोशी की हालत में निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हादसा मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया के फेज-1 स्थित प्लॉट संख्या बी-293/294 में हुआ। यह जूता निर्माण और भंडारण की यूनिट थी। आग की शुरुआत बेसमेंट से हुई थी, जहां अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री, रबर और केमिकल रखे होने के कारण घना धुआं तेजी से फैल गया। दमकल कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई कर लपटों को बेसमेंट तक ही सीमित रखा, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

तुम्हें कितने मार्क्स मिले...?

पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल



यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर 'तुम्हें कितने मार्क्स मिले?' ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ़-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि 'कितने अंक आए?', तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में 'अंक' सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम हैं, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराज़गी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ- जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में 'स्कोर करने की रणनीति' बन सकती है बजाय 'समझने की रणनीति' के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल 'कितने अंक?' हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें- न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- 'तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?'
- 'क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?'
- 'क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?'
- 'पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मज़ेदार लगा आज स्कूल में?'

ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिससे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल!

1. वेज ग्रिल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग्रिल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

2. पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग्रिल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कद्दूकस करके उसमें मेयोनेज को मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग्रिल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग्रिल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।



बोर्ड परीक्षा के लिए बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए अभिभावक करें ये काम

जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृत्ति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों,कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



प्रोत्साहित करें

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।

पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे 'तुम यह कर सकते हो' और 'मैं तुम्हारे साथ हूं' आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

नियमित ब्रेक और नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करे ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भंग करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये



जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (ह्यह्लह्वद्धद्धह्वद्गह्यह्य) हो सकती है।

सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन (द्वह्वह्वद्यह्वह्वद्वह्लद्धश्चह्व) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाए

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज़्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को 'द्दह्म्2द्बद्वद्व श्चड्डद्बद्व' मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब



सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।



सरकार ने कपास आयात पर सीमा शुल्क छूट 31 दिसंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने घरेलू कपड़ा क्षेत्र को बढ़ावा देने और उत्पादन लागत कम करने के लिए कपास आयात पर सीमा शुल्क छूट की अवधि दो महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 तक कर दी है। यह छूट पहले 31 अक्टूबर तक प्रभावी थी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस फैसले से कपड़ा और परिधान क्षेत्र की उत्पादन लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिसका सीधा लाभ कपड़ा बनाने वाली कंपनियों और अंततः उपभोक्ताओं को मिलेगा। यह कदम बाजार में कपास की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा, जिससे घरेलू कपड़ा उद्योग, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस विस्तार से घरेलू किसानों के हितों का भी ध्यान रखा गया है।

बाइनैंस पर अब तक का सबसे बड़ा साइबर हमला, 6.3 अरब की क्रिप्टो चोरी

उत्तर कोरिया पर संदेह, एक्सचेंज ने ग्राहकों के नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनैंस को एक बड़े साइबर हमले का सामना करना पड़ा है, जिसमें हैकरों ने अनुमानित 6.3 अरब डॉलर (लगभग 52,000 करोड़ रुपये) की क्रिप्टोकरेंसी चुरा ली।

इस घटना ने वैश्विक क्रिप्टो बाजार को हिला दिया है और विश्लेषकों ने इस चोरी के पीछे उत्तर कोरिया का हाथ होने का आरोप लगाया है, जिसे अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय डकैतियों में से एक बताया जा रहा है। बाइनैंस पर हुआ यह जटिल हमला गुरुवार देर रात को लगभग 20 मिनट के भीतर अंजाम दिया गया, जिसने कंपनी के वॉलेट को हैकरों के नियंत्रण वाले वॉलेट में क्रिप्टोकरेंसी स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। हमले की खबर सामने आते ही क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में तेजी से गिरावट आई और बाइनैंस ने ग्राहकों की सुरक्षा के लिए निकासी सेवाओं को अस्थायी रूप से रोक दिया। स्टेबलकॉइन जारी करने वाली कुछ कंपनियों ने चोरी की गई संपत्तियों में से लगभग आधी, यानी करीब 3 अरब डॉलर, को फ्रीज कर दिया है। अमेरिकी ब्लॉकचेन विश्लेषण कंपनियों और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के अनुसार, इस हमले के तौर-तरीके उत्तर कोरिया की विशिष्ट हैकिंग इकाई द्वारा पहले किए गए बड़े साइबर हमलों से मिलते-जुलते हैं। 2025 में हुए बायबिट एक्सचेंज हमले के लिए भी एफबीआई ने उत्तर कोरिया को जिम्मेदार ठहराया था, हालांकि उत्तर कोरिया ऐसे आरोपों से लगातार इनकार करता रहा है।

बाइनैंस ने तुरंत घोषणा की है कि वह ग्राहकों के नुकसान की भरपाई अपने कोष से करेगी, जिसके लिए उसने लगभग 6.34 अरब डॉलर अलग रखे हैं। कंपनी के पास सुरक्षा में सेंधमारी की स्थिति में ग्राहकों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 1 अरब डॉलर का बिटकॉइन रिजर्व फंड भी है। बाइनैंस एफबीआई और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर इस मामले की गहन जांच कर रहा है। कंपनी ने सोशल मीडिया पर बताया कि निकासी सेवाएं अगले 48 घंटों में फिर से शुरू होने की उम्मीद है। इस सेंधमारी के बाद बिटकॉइन छह सप्ताह के निचले स्तर 76,368 डॉलर पर आ गया, जबकि ईथर भी 3 फीसदी से अधिक गिरकर 2,178 डॉलर रह गया।

एयू एसएफबी पर डेटा लीक का खतरा

हैकर्स का संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा

नई दिल्ली ।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक एक संभावित डेटा लीक के बड़े खतरे में है। स्कारलेट ग्रुप नामक हैकिंग समूह ने बैंक के ग्राहकों और आंतरिक रिकॉर्ड से आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर जैसी संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा किया है। हैकर्स ने बैंक को बातचीत के लिए छह दिन की समय सीमा दी है और डेटा सार्वजनिक करने की धमकी दी है। बैंक ने हालांकि अपने मुख्य सिस्टम को सुरक्षित बताया है, पर सेल्सफोर्स ऐप से जुड़े सीमित डेटा ब्रीच की संभावना स्वीकार की है। हैकर्स का दावा है कि लीक हुए डेटा में ग्राहकों के आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर, बैंक स्टेटमेंट और ऋण संबंधी विवरण, साथ ही आंतरिक कंपनी रिकॉर्ड भी शामिल हैं। इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बैंक ने पुष्टि की है कि केवल उसके वाहन वित्त ग्राहकों से जुड़ी सीमित जानकारी प्रभावित हुई है। बैंक का कहना है कि मुख्य बैंकिंग सिस्टम अप्रभावित है और सभी सेवाएं सामान्य हैं; मामले की गहन जांच जारी है। ग्राहकों को अनजान कॉल/मैसेज से सावधान रहने, ओटीपी/पिन/पासवर्ड साझा न करने, और नियमित रूप से लेनदेन की जांच करने को कहा गया है। संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना बैंक को देने की सलाह दी गई है।

उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार ने मारी बाजी

फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। वैश्विक कारकों और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी। शुरुआती झटकों और बीच में दबाव के बावजूद, निवेशकों के भरोसे ने बाजार को मजबूत वापसी करने में मदद की, और प्रमुख सूचकांकों ने लगभग 2 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार गिरावट के साथ हुई, जहां सेंसेक्स 500 अंक से अधिक और निफ्टी 185 अंक से अधिक लुढ़क गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। हालांकि, शुरुआती बिकवाली के बाद बाजार ने गजब की वापसी करते हुए निचले स्तरों से लगभग 2 फीसदी की रिकवरी दर्ज की, और सेंसेक्स 482 अंक तथा निफ्टी 153 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार एक बार फिर वैश्विक दबाव में दिखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और फेड के



फैसले से पहले निवेशकों की सतर्कता के कारण गैप-डाउन ओपनिंग हुई। हालांकि, दिन के अंत तक बाजार ने अपनी अधिकांश गिरावट को कम कर दिया और लगभग सपाट बंद हुआ। बुधवार को भी गिरावट का सिलसिला जारी रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी शेयरों में नुकसान के साथ-साथ कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले का इंतजार बाजार पर हावी रहा। सेंसेक्स 352 अंक और निफ्टी 50 अंक से अधिक टूटकर बंद हुए।

सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

- सोना 1.42 लाख, चांदी 1.85 लाख के पर

नई दिल्ली ।



भारतीय सर्राफा बाजार में शे निवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे ग्राहकों को खरीदारी का एक सुनहरा अवसर मिला है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जारी तेज बिकवाली का सीधा असर घरेलू सर्राफा बाजार पर दिखा। चांदी लगभग 11 महीने के अपने सबसे निचले स्तर 1,85,504 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,540 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। यह गिरावट केवल आज की नहीं है, बल्कि शुक्रवार को भी राष्ट्रीय राजधानी में चांदी 8,300 रुपये गिरकर 1,90,200 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी, जबकि सोना 1,300 रुपये की कमी के साथ 1,45,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। जानकारों के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक महंगाई की चिंताएं और अमेरिका में ब्याज दरों पर सख्त रुख की आशंका इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं। डॉलर की मजबूती और निवेशकों की रणनीति भी कीमती धातुओं पर दबाव डाल रही है। हालांकि, खरीदारों को सलाह दी जाती है कि आभूषणों की कुल लागत में मेकिंग चार्ज और जीएसटी भी जुड़ते हैं।

पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित पहला कीटनाशक अणु पेश किया

छह नवंबर से होगा व्यावसायिक इस्तेमाल

नई दिल्ली ।



पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित किए गए पहले कीटनाशक अणु पायोक्सानिलिप्रोल को लॉन्च किया है। एंथ्रानिलिक डायमाइड वर्ग का यह अभिनव उत्पाद 6 नवंबर को रबी सत्र के दौरान बाजार में उतारा जाएगा, जिसका प्रारंभिक लक्ष्य धान और मक्का की फसलें होंगी। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि पायोक्सानिलिप्रोल एक दशक से अधिक के गहन शोध का परिणाम है। इसे विशेष रूप से भारतीय कृषि परिस्थितियों और किसानों की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। धनतेरस के अवसर पर इसकी शुरुआत में, कंपनी पहले चरण में धान और मक्का पर केंद्रित रहेगी, जिसे बाद में अन्य फसलों के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा। शुरुआत में इसे रबी सत्र के दौरान उन चुनिंदा फसलों और क्षेत्रों में सीमित मात्रा में उतारा जाएगा जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, न कि एक साथ देशभर में। पीआई इंडस्ट्रीज का लक्ष्य केवल बिक्री बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों के साथ मिलकर काम करना है। इसके तहत लगभग एक लाख किसानों को नमूने उपलब्ध कराकर, खेतों में इसका प्रदर्शन किया जाएगा और उनसे प्रतिक्रिया ली जाएगी।

चीन के शेयर बाजार में भारी गिरावट

निवेशकों को 329 लाख करोड़ का नुकसान

भारत और अमेरिका के शेयर बाजार भी चीन की राह पर?

नई दिल्ली ।

दुनिया के शेयर बाजारों में इन दिनों जिस तरह की अनिश्चितता दिखाई दे रही है। उसने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। चीन, अमेरिका और भारत जैसे बड़े बाजारों में उतार-चढ़ाव केवल घरेलू अर्थव्यवस्था का मामला नहीं रह गया है। इसका असर वैश्विक पूंजी, विदेशी निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी पड़ रहा है।

चीन के शेयर बाजार में 52 सप्ताह तक लगातार गिरावट और 329 लाख करोड़ रुपये के नुकसान निवेशकों को होने की बात सामने आ रही है।

चीन के शेयर बाजार की गिरावट ने सभी शेयर बाजारों में हलचल पैदा कर दी है। 25 अक्टूबर की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, मई के बाद से चीनी शेयर बाजार का मूल्य लगभग 3। 5 लाख करोड़ डॉलर घट चुका है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 329 लाख करोड़ रुपये होता है। 30 अक्टूबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का सीएसआई 300 सूचकांक लगातार 12वें सप्ताह गिरावट की ओर था। पिछले 12 सप्ताह में लगभग 14 प्रतिशत बाजार टूट चुका था। यह चीन के शेयर बाजार की कमजोरी का महत्वपूर्ण संकेत है।

चीन की गिरावट के आर्थिक कारण

चीन की अर्थव्यवस्था में घरेलू खपत की कमजोरी, रियल एस्टेट क्षेत्र का संकट, कंपनियों के मुनाफे में गिरावट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों का अत्यधिक मूल्यांकन प्रमुख कारण माना जा रहा है। निवेशकों को आशंका है, कंपनियों का उत्पादन और निर्यात बढ़ने के बावजूद घरेलू मांग तथा वास्तविक मुनाफे में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। तकनीकी कंपनियों में भारी निवेश के बावजूद भविष्य में उससे कितना लाभ होगा, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली चिंता का विषय

भारत के शेयर बाजार मे सबसे बड़ी चुनौती विदेशी संस्थागत निवेशकों (स्नक्कु) की लगातार बिकवाली है। विदेशी मुद्रा भंडार भी चिंता का विषय बना हुआ है। अक्टूबर के पहले 25 दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 48,056 करोड़ रुपये निकाल लिए थे। वर्ष 2026 में कुल निकासी 3.08 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गई है । सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने 35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसके पीछे अमेरिका के सरकारी बॉन्ड पर 5 प्रतिशत से अधिक ब्याज मिलने, डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और एशियाई तकनीकी कंपनियों में निवेश के बढ़ते आकर्षण मुख्य कारण हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भारत की तुलना में दूसरे बाजारों में निवेश अधिक आकर्षक और सुरक्षित दिखाई दे रहा है।

जिओ की लिस्टिंग से मिली बाजार को राहत

भारतीय शेयर बाजार में अक्टूबर के अंतिम दिनों में कुछ सुधार जरूर आया है। 30 अक्टूबर को सेंसेक्स 0.42 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। पूरे अक्टूबर में सेंसेक्स में 2.7 प्रतिशत और निफ्टी में 1.9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई।

महाराष्ट्र में लंबे अभियान के दौरान 18.94 करोड़ का खाद्य तेल जब्त

80 कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित, एफडीए आयुक्त ने मिलावटखोरों को चेताया

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खाद्य तेल में मिलावट और घटिया गुणवत्ता के खिलाफ चलाए गए सात महीने के अभियान में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने इस दौरान करीब 18.94 करोड़ रुपये मूल्य का 28,753 क्विंटल खाद्य तेल जब्त किया और 80 खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित कर दिए। एफडीए ने एक अप्रैल से 29 अक्टूबर के बीच राज्य भर में 1,089 निरीक्षण किए। इन छापों में खाद्य तेल निर्माताओं, री-पैकिंग करने वालों, थोक एवं खुदरा विक्रेताओं को निशाना बनाया गया।

प्रयोगशाला जांच के लिए 1,660 नमूने एकत्र किए गए, जिनमें से 485 की रिपोर्ट आ चुकी है। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे ने चेतावनी दी है कि मिलावटी या असुरक्षित तेल के निर्माण, भंडारण या बिक्री पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने राज्य के सात मंडलों में 80 लाइसेंस निलंबित किए हैं, जिनमें छत्रपति संभाजीनगर में सर्वाधिक 27 और पुणे में 22 लाइसेंस शामिल हैं।

जब्त तेल की बात करें तो पुणे में सबसे अधिक 19,551 क्विंटल और छत्रपति संभाजीनगर में 5,736 क्विंटल तेल बरामद हुआ। हालांकि, मूल्य के हिसाब से छत्रपति संभाजीनगर में 8.34 करोड़ रुपये का तेल जब्त किया गया, जो सबसे अधिक है। लाइसेंस निलंबन के प्रमुख कारणों में दोबारा इस्तेमाल किए गए टिन, बिना लेबल वाले कंटेनरों में तेल बेचना, स्वच्छता मानकों का उल्लंघन और लेबलिंग नियमों की अनदेखी शामिल है। निलंबित प्रतिष्ठान इस अवधि में कोई भी खाद्य कारोबार नहीं कर पाएंगे।

जतिन कुमार नायक ने संभाला इरेडा के चेयरमैन का पदभार

नई दिल्ली।

जतिन कुमार नायक ने भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया है। कंपनी ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। नायक इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आरईसी लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे। कंपनी के अनुसार नायक को तीन दशक से अधिक का व्यापक और विविध अनुभव है। वह आरईसी की अनुषंगी कंपनी आरईसी ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने एनएचपीसी, हिंदुस्तान कॉपर, नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) और नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड में भी काम किया है। उनका अनुभव बिजली क्षेत्र के साथ-साथ खनन एवं धातु जैसे संसाधन-आधारित उद्योगों में भी रहा है। नायक ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित उत्कल विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। इससे पहले मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उन्हें यह जिम्मेदारी देने के लिए मंजूरी दी थी।

सरकार के सिंगल यूज उपकरण प्रतिबंध पर अस्पतालों का कड़ा विरोध

प्रमुख अस्पताल समूहों ने सरकार को सौंपा ज्ञापन, डायलिसिस समेत कई सेवाएं होंगी प्रभावित

नई दिल्ली ।

देश के बड़े अस्पताल समूहों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी एसोसिएशनों ने सरकार के उस फैसले का कड़ा विरोध किया है, जिसमें एक बार इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों के दोबारा उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। उनकी चिंता है कि इस निर्णय से जटिल बीमारियों के इलाज का खर्च 25 से 75 फीसदी तक बढ़ सकता है और डायलिसिस जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित होंगी। अस्पतालों ने कहा है कि पहले से ही आर्थिक दबाव झेल रहे स्वास्थ्य क्षेत्र की मुश्किलें इससे और बढ़ेंगी। नारायण हेल्थ, मणिपाल हॉस्पिटल्स, फोर्टिस हेल्थकेयर, के आईएमएस हॉस्पिटल्स और मेदांता सहित कई बड़े अस्पताल समूहों के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न स्वास्थ्य एसोसिएशनों के साथ मिलकर सरकार को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। इसमें उन्होंने मांग की है कि एक बार इस्तेमाल होने वाले सभी मेडिकल उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय, कुछ चुनिंदा उपकरणों को तय सुरक्षा मानकों के तहत दोबारा इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने 16 अक्टूबर को एक निर्देश जारी कर उन चिकित्सा उपकरणों के दोबारा इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी, जिन्हें निर्माता कंपनियों ने केवल एक बार इस्तेमाल के लिए बनाया है।

फ्रांस के जेवियर नियल को वोडाफोन समूह में हिस्सेदारी खरीदने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने फ्रांसीसी उद्योगपति जेवियर नियल को ब्रिटेन स्थित वोडाफोन समूह पीएलसी में 16.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना को अपनी मंजूरी दे दी है। यह अधिग्रहण नियल की पारिवारिक निवेश कंपनी वेगा एसएएस के माध्यम से किया जाएगा। सीसीआई द्वारा जारी बयान के अनुसार, नियल अपनी पारिवारिक निवेश कंपनी वेगा एसएएस के जरिए यह हिस्सेदारी खरीद रहे हैं। वेगा, फ्रांस के कानून के तहत पंजीकृत एक सरलीकृत संयुक्त शेयर बाजार की कंपनी माया एसएएस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। जेवियर नियल फ्रांस की दूरसंचार कंपनी इलियड के संस्थापक भी हैं, जो उन्हें दूरसंचार क्षेत्र का एक अनुभवी खिलाड़ी बनाती है। यह उल्लेखनीय है कि अधिग्रहणकर्ता वेगा एसएएस की भारत में कोई व्यावसायिक उपस्थिति या गतिविधि नहीं है। वहीं, वोडाफोन समूह भारत में अपनी इकाई वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के माध्यम से मोबाइल और फिक्स्ड लाइन दूरसंचार सेवाएं प्रदान करता है। वैश्विक स्तर पर, वोडाफोन समूह यूरोप और अफ्रीका के प्रमुख बाजारों में दूरसंचार सेवाएं प्रदान करता है। निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस प्रस्तावित सौदे को अपनी अंतिम मंजूरी की पुष्टि की है, जिससे वोडाफोन समूह में एक महत्वपूर्ण शेयरधारक के रूप में जेवियर नियल की एंट्री का रास्ता साफ हो गया है।

लायंस और सरकार का गैस विवाद अब मध्यस्थता से सुलझेगा-सुप्रीम कोर्ट

कृष्णा-गोदावरी बेसिन में गैस की कथित चोरी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और केंद्र सरकार के बीच लंबे समय से चले आ रहे लगभग 14,750 करोड़ रुपये के गैस विवाद को सुलझाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायालय ने इस जटिल मामले को मध्यस्थता के लिए भेज दिया है और पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई को मध्यस्थ नियुक्त किया है। यह विवाद कृष्णा-गोदावरी बेसिन में पड़ोसी ओएनजीसी गैस ब्लॉक से कथित तौर पर गैस निकालकर रिलायंस के ब्लॉक में पहुंचाने से संबंधित है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में मध्यस्थता का रास्ता तब चुना, जब उसने पाया कि दोनों पक्षों के बीच कोई आपसी सहमति वाला समाधान नहीं निकल पा रहा था। न्यायालय ने कहा कि न्यायमूर्ति देसाई को ऐसे जटिल व्यावसायिक विवादों को सुलझाने का व्यापक अनुभव है। न्यायालय ने दोनों पक्षों को यह भी अनुमति दी है कि वे मध्यस्थ की सहायता के लिए एक-एक विशेषज्ञ को नियुक्त कर सकते हैं। रिलायंस की ओर से अदालत को बताया गया कि कंपनी मध्यस्थता के लिए पूरी तरह तैयार है। दोनों पक्ष मध्यस्थ के सामने लिखित और मौखिक रूप से अपना पक्ष रख सकेंगे और उन्हें न्यायमूर्ति देसाई से संपर्क कर बैठक तथा सुनवाई का सुविधाजनक कार्यक्रम तय करने को कहा गया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता पूरी करने के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी, जिसमें मध्यस्थता की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

यह मामला रिलायंस और उसके सहयोगी कंपनियों की उस अपील से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रिलायंस के पक्ष में आए 14,750 करोड़ रुपए के पिछले मध्यस्थता फैसले को रद्द कर दिया था।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में की भारी बिकवाली, 22,012 करोड़ के शेयर बेचे

घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश किया

नई दिल्ली ।

अक्टूबर महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से 22,012 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जिससे उनकी इस साल की कुल बिकवाली 2.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। हालांकि, एफपीआई की इस लगातार बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार मजबूत बने रहे, जिसका मुख्य श्रेय घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की रिकॉर्ड खरीदारी और प्राथमिक बाजार में आए दमदार आईपीओ को जाता है। आंकड़ों के अनुसार, जहां एफपीआई ने सेकेंडरी बाजार से बड़ी निकासी की, वहीं उन्होंने प्राथमिक बाजार, जिसमें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शामिल हैं, के जरिये 12,902 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह पिछले 15 महीनों में प्राथमिक बाजारों में उनका सबसे बड़ा निवेश है, जिसने सेकेंडरी बाजार में बिकवाली के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद की। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने अक्टूबर के दौरान 62,220 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे बाजार को अभूतपूर्व समर्थन मिला। इसी के परिणामस्वरूप, सेकेंडरी बाजार में लगातार बिकवाली के बावजूद बेंचमार्क निफ्टी 50 और सेंसेक्स क्रमशः 1.9 फीसदी और 2.7 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। प्राथमिक बाजार में इस मजबूती का एक प्रमुख कारण अक्टूबर में आए 13 आईपीओ थे, जिनमें जियो प्लेटफॉर्म्स का 30,187.65 करोड़ रुपये का आईपीओ भी शामिल था। विश्लेषकों का मानना है कि सेकेंडरी बाजार से एफपीआई की लगातार निकासी के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। इनमें जापानी और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि से पूंजी का बाहर जाना, आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं, कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और मार्जिन पर दबाव प्रमुख हैं।



हॉलीवुड में फिल्म निर्माण से जुड़ीं पूजा बत्रा

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और फिल्मों से की, लेकिन कुछ समय बाद उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया कि वे फिल्मी पर्दे से दूर हो गईं। पूजा बत्रा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिल्मों में अपनी पहचान बनाई और फिर निजी जिंदगी के फैसलों के चलते कुछ समय के लिए हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने विदेश में अपनी जिंदगी और करियर को नए सिरे से आगे बढ़ाया।

उन्होंने हॉलीवुड में काम किया और एक फिल्म में अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया। इस रोल की तैयारी के लिए उन्होंने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में भी पढ़ा। अब पूजा अभिनय के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में भी सक्रिय हैं। पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1975 को हुआ था। उनके पिता रवि बत्रा भारतीय सेना में कर्नल थे, जबकि उनकी मां नीलम बत्रा ने भी 1971 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। सेना में पिता की नौकरी के कारण पूजा को बचपन में अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। उन्होंने करीब 12 साल में 10 स्कूल बदले। बचपन से ही उन्हें खेलों में दिलचस्पी थी और वह दौड़ की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थीं।

पूजा ने कम उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। एक साबुन के विज्ञापन से उन्हें काफी पहचान मिली। साल 1993 में उन्होंने मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता। इस उपलब्धि के बाद उनके लिए मनोरंजन की दुनिया में नए रास्ते खुले। हालांकि, उन्होंने अपनी पढ़ाई भी पूरी की और इसके बाद फिल्मों में कदम रखा। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'विरासत' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में पहचान बनाई। इस फिल्म में वह अनिल कपूर और तब्बू के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'भाई', 'हसीना मान जाएगी', 'दिल ने फिर याद किया', 'कहीं प्यार न हो जाए' और 'नायक: द रियल हीरो' जैसी फिल्मों में काम किया।

पूजा की जिंदगी में एक ऐसा भी समय आया, जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोपेडिक सर्जन सोनू एस. अहलूवालिया से शादी की और लॉस एंजिलिस में रहने लगीं। बाद में दोनों का तलाक हो गया। इस बदलाव के बाद पूजा ने अपने जीवन और करियर को फिर से आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। उन्होंने भारतीय फिल्मों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी मौके तलाशे।

पूजा के करियर का एक खास पड़ाव 2016 में आई साइंस-फिक्शन फिल्म 'वन अंडर द सन' रही। इस फिल्म में उन्होंने कैथरीन वॉस नाम की अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया था। कहानी एक ऐसे अंतरिक्ष मिशन की अकेली बची यात्री के बारे में थी, जो धरती पर लौटने के बाद अपनी बीमार बेटी से मिलना चाहती है। फिल्म के लिए तैयारी करते समय पूजा ने कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इन अंतरिक्ष यात्रियों से उन्हें किरदार की शारीरिक बनावट और व्यक्तित्व को समझने में मदद मिली। फिल्म की शूटिंग सिर्फ 11 दिनों में पूरी हुई थी। इसे कान फिल्म फेस्टिवल में भी पेश किया गया था।

पूजा ने सिर्फ अभिनय तक खुद को सीमित नहीं रखा। वह फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ीं और लॉस एंजिलिस स्थित अपनी प्रोडक्शन कंपनी ग्लोबेल इंक के जरिए प्रोजेक्ट्स से जुड़ीं। साल 2026 में उनकी कंपनी के निर्माण में बनी शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई। इस फिल्म में दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा व्हेलन मेरिडिज नजर आए।





पांच साल बाद फिर साथ दिखेगी रजनीकांत और नयनतारा जोड़ी

'जेलर 2' के बाद अब सुपरस्टार रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'धर्मन' की रिलीज का फैंस बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। अब इस मूवी से जुड़ा एक अपडेट सामने आया है। दरअसल, 'थलाइवा' की 'धर्मन' में एक्ट्रेस नयनतारा की भी एंट्री हो गई है। बता दें कि इस फिल्म के जरिए रजनीकांत और नयनतारा पांच साल बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार साल 2021 में आई फिल्म 'अन्नात्थे' में साथ काम किया था।

प्रोडक्शन हाउस ने किया नयनतारा का स्वागत

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नयनतारा के फिल्म में शामिल होने की जानकारी दी। एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'अब दमदार अंदाज दोगुना होने वाला है। फिल्म 'धर्मन' में नयनतारा का स्वागत है।'

इन फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं नयनतारा और रजनीकांत

नयनतारा और रजनीकांत इससे पहले भी कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। इनमें 'चंद्रमुखी' (2005), 'कुसेलन' (2008), 'दरबार' (2020) और 'अन्नात्थे' (2021) शामिल हैं। हालांकि, फिल्म 'धर्मन' में नयनतारा का किरदार क्या होगा और इसकी कहानी किस बारे में है, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

कब रिलीज होगी 'धर्मन'

फिल्म 'धर्मन' का निर्देशन अश्वथ मारिमुथु कर रहे हैं, जबकि इसे एक्टर और फिल्ममेकर कमल हासन प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरुआत में शुरू हुई थी और टीम अब तक कई शेड्यूल पूरे कर चुकी है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, खबरों के मुताबिक, फिल्म को पोंगल 2027 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।





क्या असल जिंदगी के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पर आधारित है 'प्रताप'

अमित साध की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'प्रताप' के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म में अमित साध एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शक कमेंट सेक्शन में यह कयास लगा रहे हैं कि क्या फिल्म की कहानी असल जिंदगी के पुलिस अधिकारियों से प्रेरित है। कई दर्शक अमित के ऑन-स्क्रीन किरदार की तुलना मुंबई पुलिस के अधिकारियों दया नायक और सचिन वाजे से कर रहे हैं और जानना चाहते हैं कि क्या कहानी का उनकी जिंदगी से कोई संबंध है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यूवी फिल्म्स के बैनर तले प्रदीप रंगवानी ने किया है। फिल्म में ईशा देओल, सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया और मिलिंद गुनाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'प्रताप' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के आधिकारिक यूट्यूब ट्रेलर के कमेंट सेक्शन में दर्शकों की यह उत्सुकता साफ नजर आ रही है। कई यूजर्स ने सवाल उठाए हैं कि क्या अमित साध का किरदार किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी से प्रेरित है। एक यूजर ने पूछा, 'कहीं ये दया नायक की स्टोरी तो नहीं है?' वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ये सचिन वाजे की लाइफ से इंस्पायर्ड है क्या?' एक दर्शक ने सवाल किया, 'क्या यह सचिन वाजे की कहानी पर आधारित है?' कुछ अन्य दर्शकों ने भी फिल्म की कहानी के सचिन वाजे या दया नायक की जिंदगी से जुड़े होने की संभावना पर सवाल उठाए। कई दर्शकों द्वारा इसी तरह के सवाल पूछे जाने से साफ है कि ट्रेलर ने अमित साध के किरदार और उसकी पृष्ठभूमि को लेकर लोगों की जिज्ञासा बढ़ा दी है। जहां फैंस सोशल मीडिया पर फिल्म की संभावित वास्तविक प्रेरणा को लेकर चर्चा कर रहे हैं, वहीं यह देखना दिलचस्प होगा कि 'प्रताप' की कहानी किसी खास पुलिस अधिकारी से प्रेरित है या फिर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की दुनिया पर आधारित एक काल्पनिक कहानी है। फिलहाल, फिल्म के किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी पर आधारित होने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आयशा खान ने फिल्म 'उड़ता तीर' की जमकर सराहना की

आयुष्मान खुराना स्टारर क्रॉस-बॉर्डर स्पाई-कॉमेडी (जासूसी हास्य) फिल्म 'उड़ता तीर' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री आयशा खान ने फिल्म की जमकर सराहना की। साथ ही, सभी से फिल्म देखने की अपील भी की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के एक हास्य सीन की क्लिप शेयर की, जिसमें अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेता संदीप आनंद नजर आ रहे हैं। आयशा खान ने इस क्लिप की तारीफ करते हुए लिखा, 'मैं संदीप आनंद की बहुत बड़ी फैन हूं और कल उन्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने क्या परफॉर्मेंस दी है। मजे ही आ गए तारिक (संदीप आनंद का किरदार) और आप जानते हैं कि अगर आयुष्मान इसमें हैं तो फिल्म धमाकेदार ही होगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म ने उन्हें बिल्कुल भी बोर नहीं किया। उन्होंने लिखा, 'इस फिल्म में एक भी किरदार कमजोर नहीं है, शानदार टाइमिंग, इतने अच्छे लिखे हुए सीन्स, कल थिएटर में हंस-हंस के मेरी जान निकल गई, मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती, प्लीज अपनी फैमिली के साथ थिएटर में जाकर इस फिल्म को जरूर देखें, पैसा वसूल है। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी सबसे बेस्ट पार्ट में से एक है और स्टोरीलाइन आपको आखिर तक बांधे रखती है, क्लाइमैक्स तो कमाल का है, बस अभी जाओ और देखें।'

फिल्म 'उड़ता तीर' को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। दर्शकों के अनुसार, फिल्म का पहला हाफ काफी मनोरंजक, तेज और मजेदार है, जिसमें सिचुएशनल कॉमेडी और वन-लाइनर्स अच्छे लगते हैं। वहीं, दूसरा हाफ थोड़ा सुस्त और प्रिडिक्टेबल (अनुमान लगाने योग्य) हो जाता है, जहां फिल्म स्पाई कॉमेडी से हटकर देशभक्ति और गंभीर जॉनर की तरफ मुड़ने की कोशिश में थोड़ी उलझ जाती है। आयुष्मान खुराना की कॉमिक टाइमिंग और कंफ्यूज्ड एक्सप्रेशंस की काफी तारीफ हो रही है। साथ ही सारा अली खान और सपोर्टिंग कास्ट के काम को भी पसंद किया जा रहा है।

निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नए प्रोजेक्ट के लिए शूटिंग

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह इसकी शूटिंग के लिए गुजरात पहुंच चुकी हैं। निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके जरिए उन्हें एक नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिलेगा, जिसमें उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह अपने काम के जरिए खुद को चुनौती देना चाहती हैं और एक्टिंग के नए पहलुओं को एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर निमृत ने कहा, ''मैं इस नए प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हूं। इसके जरिए मुझे एक बिल्कुल नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे मैंने पहले एक्सप्लोर नहीं किया है। एक एक्टर के तौर पर मैं हमेशा खुद को चुनौती देना चाहती हूं, अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना चाहती हूं और अपनी एक्टिंग के नए पहलुओं को जानना चाहती हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''हर प्रोजेक्ट आपको कुछ नया सिखाता है। मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं और अपने किरदार को पर्दे पर जीवंत करने का इंतजार कर रही हूं। फिलहाल मैं इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं चाहती हूं कि दर्शक जल्द ही देखें कि हम क्या लेकर आ रहे हैं।'' सूत्रों के मुताबिक, निमृत अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए गुजरात पहुंची है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की कहानी, किरदार और बाकी डिटेल्स को फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद से ही उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ गई है।



बैचलर पार्टी डी'यू में पॉली का किरदार निभाएंगी ज्योतिर्मयी

मलयालम फिल्ममेकर अमल नीरद की अपकमिंग फिल्म 'बैचलर पार्टी डी'यू' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस ज्योतिर्मयी के किरदार का नाम भी सामने ला दिया है। वह फिल्म में पॉली के किरदार में नजर आएंगी। डायरेक्टर अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए लिखा, 'ज्योतिर्मयी इज पॉली।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की सफल फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर फैंस के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यू' में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमलु' से देशभर में पहचान बनाने वाले एक्टर नसलेन लीड रोल में हैं। उनके अलावा कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, रजीशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स इससे पहले फिल्म में नादिया मोइदू और रजीशा विजयन के किरदारों के नाम का भी खुलासा किया था। नादिया फिल्म में अन्ना मैथ्यूज का किरदार निभा रही हैं, जबकि रजीशा विजयन सिंपल के रोल में दिखाई देंगी। फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शराफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, टोविनो थॉमस के किरदार को लेकर मेकर्स ने अब तक सस्पेंस बनाए रखा है। फिल्म से उनका लुक सामने आ चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम नहीं बताया गया है। टोविनो के पोस्टर जारी करते हुए अमल नीरद ने मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर की एक पंक्ति भी लिखी थी, 'हेल इज एम्प्टी एंड ऑल द डेविल्स आर हियर।' इस पंक्ति का मतलब है कि नरक खाली है और सारे शैतान यहां मौजूद हैं। डायरेक्टर की इस पोस्ट ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।

